M.S.S.

मजदूर संगठन समिति

M.S.S.

केन्द्रीय कमिटि

पंजीयन संख्या- 3113/89

प्रधान कार्यालय :- अंगारपथरा, कतरास, धनबाद (झारखण्ड)

पत्रांक......................   दिनांक..21/12/17.........

प्रेस विज्ञप्ति

सर्व विदित हो कि 20 दिसम्बर, 2017 को दैनिक अखबार हिन्दुस्तान एवं दैनिक जागरण में झारखण्ड के डी०जी०पी०, डी०के० पाण्डेय द्वारा मजदूर संगठन समिति झारखण्ड को माओवादियों का संगठन बताते हुए गृह सचिव को प्रतिबंधित करने हेतु पत्राचार किया गया है। जबकि मजदूर संगठन समिति एक निबंधित संगठन है जिसका पंजीयन संख्या–3113/89 है। समिति इसका खण्डन करती है, तथा डी०जी०पी० द्वारा मजदूर संगठन समिति के ऊपर तीखा टिप्पणी करने का तीव्र निन्दा व भर्त्सना करती है और ट्रेड यूनियन संगठन के प्रति शासन–प्रशासन का बयान बाजी करना, उनके दिवालियापन एवं राज्य में तानाशाही कायम करने का ही परिचायक हैं। मजदूर संगठन समिति, झारखण्ड में एक ऐसा ट्रेड यूनियन है जिसके द्वारा संगठित व असंगठित मजदूर किसानों के बीच उनके अधिकार के प्रति जागरूकता लाने हेतु वर्कशॉप, मीटिंग, सेमिनार, रैली व आमसभा, पर्चा वित्तरण, पोस्ट्रिंग आदि कार्यक्रम चलायें जाते रहें है, फलस्वरूप मजदूरों, किसानों में अपने अधिकार प्राप्त करने हेतु संगठित व संर्घषरत होकर सरकार व प्रशासन की जनविरोधी नीतियों व दमनात्मक नीतियों के खिलाफ जन संघर्ष तेज कर रही है। चाहे वे मधुबन–गिरिडीह में डोली मजदूरों की समस्या हो, थर्मल बोकारों की मजदूरों, व स्टीली बोकारों के मजदूरों तथा धनबाद के कोयला मजदूरों, चन्द्रपुर के मजदूरों का समस्या हो वह प्रशासन की दमनात्मक नीति के तहत फर्जी मुकदमा व फर्जी मुठभेड़ में निदोर्ष जनता को मार गिराने का सवाल हो, इन सभी मुद्दों को उठाते हुए मजदूर संगठन समिति का मजदूर–किसानों के बीच लोकप्रियता बढ़ते जा रहा है इसी लोक प्रियता को देखते हुए डी०जी०पी०, डी०के० पाण्डेय घबरा कर एवं अपने कुकर्म को छुपाने हेतु मजदूर संगठन समिति जैसे लोक प्रिय ट्रेड यूनियन संगठन को माओवादियों का फ्रंटल संगठन बताने का कोशिश कर रहे है और यह भी बता रहे है कि मजदूर संगठन समिति दवा व कमल बांटकर मजदूर किसानों के बीच लोक प्रियता बटोर रही हैं तो सवाल यह है कि डी०जी०पी० को इतना परेशानी क्यों हो रही है आजादी के 70 वर्ष बाद भी विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र वाशियों को सरकार दवा एवं कपड़ा सुनिश्चित नही कर पायी है और झारखण्ड सहित कई राज्य में भूख एंव ईलाज के अभाव में लोग दम तोड़ रहे है तो जिम्मेंवार कौन है? जवाब देही किसकी होनी चाहिए? क्यों शासन एवं प्रशासन के लोग

M.S.S.

मजदूर संगठन समिति

M.S.S.

केन्द्रीय कमिटि

पंजीयन संख्या- 3113/89

प्रधान कार्यालय :– अंगारपथरा, कतरास, धनबाद (झारखण्ड)

पत्रांक.......................   दिनांक...........................

मूलभूत जो जनता की समस्या है उसपर ठोस पहल नही कर पाती है अगर सरकार इन समस्याओं का समाधान कर पाते तो हमें क्यों दवा एवं कपड़ा देने के लिए बाध्य होना पड़ता। हम समिति वाले लोग कितना मुश्किल से 10–20 रूपया मजदूरों–किसानों से ही चन्दा जमा कर जरूरत मंद गरीब व किसानों को दवा एवं कबंल देने की कोशिश करते हैं, हम झारखण्ड सरकार एवं प्रशासन की इस दमनात्मक जन विरोधी नीति के खिलाफ मानव आयोग एवं उच्च न्यायालय में अर्जी देंगे। साथ ही मजदूर–किसानों, छात्र, नौजवानों, प्रगतिशील, बुद्धिजीवियों, झारखण्ड प्रेमियों एवं अन्य जनसंगठनों तथा समाजिक संगठनों, न्याय प्रेमियों से अपील है कि इस तरह का गैर संविधान बयान का अपने–अपने स्तर व संगठित एकता के साथ विरोध करें।

बच्चा सिंह
21/12/17
(बच्चा सिंह)

महा सचिव

- CPI (ML) Red Star

(MSS)